

(vi) **Need for publishing Electoral Rolls of Jammu and Kashmir in Persian as well as Devanagari script**

DR. KARAN SINGH (Udhampur):  
 Mr. Chairman, Sir, ever since the electoral process in Jammu and Kashmir began, electoral rolls have been printed only in the Persian script. There are large sections of the population, particularly in the Jammu region, who are not familiar with this script. This leads to considerable difficulties for such people and adds to the possibility of malpractices and imperfection. For some years I have been requesting the Election Commission that electoral rolls in the State should be printed both in the Persian as well as the Devanagari scripts, but so far no action has been taken. I would urge the Ministry of Home Affairs to look into this matter and persuade the Election Commission to immediately reprint its electoral rolls in the State in both the scripts. This would also provide the opportunity of bringing the rolls up to date well in time for the next Parliamentary elections.

(vii) **Closure of small scale industries due to shortage of power and increase in rates of electricity**

श्री रामस्वतार शास्त्री (पटना) : बड़े उद्योगों के विकास के साथ लघु उद्योगों का विकास हमारे अर्थतंत्र के साथ अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है।

परन्तु दुःख है कि भयंकर आर्थिक संकट से भंवर में पड़कर कई लाख लघु उद्योग बन्द हो चुके हैं। बिहार में भी ऐसे बीस हजार से अधिक लघु उद्योग बन्द हैं। जो बचे हुए हैं। वे भी बन्द होने की स्थिति में आ चुके हैं। ऐसे उद्योगों के बन्द होने के मुख्य कारण बिजली की भयंकर कमी, कच्चे काष्ठों का अभाव तथा उनके मूल्यों में वृद्धि और बिजली रेट में भारी वृद्धि बताए जाते हैं। बिहार में तो बिजली न किसानों को ठीक प्रकार से मिलती है और न लघु उद्य-

गियों को। आम उपभोक्ता भी बिजली की कमी की मार से तबाह है। स्थिति यहां तक बिगड़ चुकी है कि लघु उद्योगों और किसानों को दो-तीन घंटे भी बिजली नियमित रूप से नहीं मिलती है।

फलस्वरूप लघु उद्योग धराधर बन्द हो रहे हैं और पटवर्न के अभाव में किसानों की फसलें नष्ट हो रही हैं और उनकी बोआई में कठिनाइयां उत्पन्न हैं।

इस पर तुरंत यह कि विभिन्न राज्यों में बिजली रेट में भारी वृद्धि कर दी गई है। अभी हाल में बिहार बिजली बोर्ड ने बिजली का रेट चार से सात गुना तक बढ़ा दिया है, जिसका सबसे बुरा असर आटा चक्की, श्राफ मशीन तथा लेथ मशीन पर पड़ा है जो 440 बोल्ट बिजली की मशीन इस्तेमाल में लगे हैं। इस कर भार से निश्चय ही हजारों लघु उद्योग बन्द हो जावेंगे।

प्रतः सरकार से मेरा अनुरोध है कि अगर वह लघु उद्योगों का विकास चाहती है, तो लघु उद्योगों के लिए बिजली की आवश्यकता के अनुसार सप्लाय करने, कच्चे घाल की उचित कीमत पर मुहैया करवाने और भारी बिजली रेट में कमी करने की व्यवस्था करें।

(viii) **Need for probe into contracts awarded for canteens and catering services at Railway Stations**

श्री राजनाथ सोलंकर शास्त्री (संदभुव) : सभापति जी, मैं आपके माध्यम से रेलवे मंत्री जी का ध्यान देश के रेलवे स्टेशनों पर चल रही कैंटरिंग व कैंटीन व्यवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। देश के लगभग 25 प्रतिशत स्टेशनों पर प्रायः फल, मिठाई-बिस्किट